

८१८ - २०१८ ईश्वरी

पेपर सील खोले बगैर इस तरफ से उत्तर शीट को बाहर निकालें।
Without opening the Paper seal take out Answer Sheet from this side.

ICL-07

परीक्षा का वर्ष : 2018
प्रश्न-पुस्तिका

Serial No.

286055

अपना अनुक्रमांक सामने अंकों में
बॉक्स के अन्दर लिखें

शब्दों में →

प्रश्न-पुस्तिका श्रृंखला

C

SANSKRIT

Time : 2.00 Hours
Maximum Marks : 200

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले नीचे लिखे अनुदेशों को ध्यान से पढ़ लें।

महत्वपूर्ण निर्देश

- प्रश्न-पुस्तिका के कवर पेज पर अथवा अन्दर कहीं भी कुछ न लिखें।
- सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
- अभ्यर्थी उत्तर-पत्रक में अपने अनुक्रमांक, विषय कोड एवं प्रश्न-पुस्तिका की सीरीज की कोडिंग सही-सही करें, अन्यथा उत्तर-पत्रक का मूल्यांकन नहीं किया जायेगा और उसकी जिम्मेदारी स्वयं अभ्यर्थी की होगी।
- अभ्यर्थी रक्क कार्य हेतु प्रश्न-पुस्तिका (बुकलेट) के अन्त में दिये गये पृष्ठों का उपयोग करें। अलग से वर्किंग शीट उपलब्ध नहीं करायी जायेगी।
- इस प्रश्न-पुस्तिका में 100 प्रश्न (आइटम्स) हैं। प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर प्रश्न के नीचे (a), (b), (c), (d) के रूप में दिये गये हैं। इन चारों में से केवल एक ही सही उत्तर है। जिस उत्तर को आप सही या सबसे उचित समझते हैं, उत्तर-पत्रक (आंसर शीट) में उसके अक्षर वाले वृत्त को काले अथवा नीले बॉल प्लाइंट पेन से पूरा काला/नीला कर दें।
- सभी प्रश्नों (आइटमों) का उत्तर दिया जाना है और प्रत्येक प्रश्न (आइटम) के समान अंक हैं। आपके जितने उत्तर सही होंगे उन्हीं के अनुसार अंक दिये जायेंगे।
- आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली वस्तुनिष्ठ प्रकृति की परीक्षाओं में ऋणात्मक मूल्यांकन (Negative Marking) पद्धति अपनायी जायेगी। उम्मीदवार द्वारा प्रत्येक प्रश्न के लिए दिए दिए गए गलत उत्तर के लिए या उम्मीदवार द्वारा एक प्रश्न के एक से अधिक उत्तर देने के लिए (चाहे दिए गए उत्तर में से एक सही ही क्यों न हो), उस प्रश्न के लिए दिए जाने वाले अंकों का एक-चौथाई दण्ड के रूप में काटा जाएगा। दण्ड स्वरूप प्राप्त अंकों के योग को कुल प्राप्तांक में से घटाया जाएगा।
- प्रश्नों के उत्तर आपको अलग से दिये गये उत्तर-पत्रक में अंकित करने हैं। आपको अपने सभी उत्तर केवल उत्तर-पत्रक पर ही देने हैं। उत्तर-पत्रक के अतिरिक्त अन्य कहीं पर दिया गया उत्तर मान्य न होगा।
- उत्तर-पत्रक पर कुछ लिखने के पूर्व उसमें दिये गये सभी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लें। जो सूचनायें उसमें वांछित हों उन्हें अभी भर लें।
- परीक्षा समाप्ति के उपरान्त अन्तरीक्षक को उत्तर-पत्रक वापस लौटा दें।
- यदि आपने इन अनुदेशों को पढ़ लिया है, इस पृष्ठ पर अपना अनुक्रमांक अंकित कर दिया है और उत्तर-पत्रक पर वांछित सूचनायें भर दी हैं, तो तब तक इन्तजार करें जब तक आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को नहीं कहा जाता।
- उत्तर-पत्रक (O.M.R. Answer Sheet) का मूल्यांकन ओ.एम.आर. आंसर शीट पर अंकित सीरीज कोड के आधार पर ही किया जायेगा।
- प्रश्न-पुस्तिका (Question Booklet) में से उत्तर-पत्रक (O.M.R. Answer Sheet) निकालने के पश्चात् उत्तर-पत्रक एवं प्रश्न-पुस्तिका के सीरीज कोड (A, B, C & D) का मिलान अवश्य कर लें। यदि उत्तर-पत्रक एवं प्रश्न-पुस्तिका के सीरीज कोड भिन्न-भिन्न हों, तो उसे तुरन्त अन्तरीक्षक (Invigilator) से परिवर्तित कराकर समान सीरीज कोड का उत्तर-पत्रक एवं प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त कर लें। यदि उक्तानुसार कार्यवाही नहीं की जाती है, तो उसके लिए अभ्यर्थी स्वयं जिम्मेदार होगा।

जब तक न कहा जाय इस प्रश्न-पुस्तिका को न खोलें।

महत्वपूर्ण : प्रश्न-पुस्तिका खोलने पर तुरन्त जाँच कर देख लें कि प्रश्न-पुस्तिका के सभी पेज भली-भांति छपे हुए हैं। यदि प्रश्न-पुस्तिका में कोई कमी हो, तो अन्तरीक्षक को दिखाकर उसी सीरीज की दूसरी प्रश्न-पुस्तिका प्राप्त कर लें।

ICL-07

C



26. संस्कृतसाहित्ये 'पदलालित्यवती' प्रसिद्धा रचना आस्ति –
 (a) किरातार्जुनीयम् (b) शिशुपालवधम् (c) नैषधीयचरितम् (d) हर्षचरितम्
27. मनुस्मृते: कस्मिन् अध्याये चतुर्वर्णानां कर्मणां व्यवस्था प्रतिपादिता ?
 (a) प्रथमाध्याये (b) द्वितीयाध्याये (c) तृतीयाध्याये (d) चतुर्थाध्याये
28. याज्ञवल्क्यस्मृतौ व्यवहारस्य कति भेदाः ?
 (a) पञ्चदश (b) षोडश (c) सप्तदश (d) अष्टादश
29. उपमार्थे प्रयुक्ताः निपाताः –
 (a) इव, न, चित्, तु (b) इव, ननु, चित्, तु
 (c) इव, नु, सु, न (d) इव, एव, तु, तु
30. अधोलिखितेषु 'निघण्टु' शब्दस्य कतमं निर्वचनं नास्ति ?
 (a) निगमा इमे भवन्ति (b) समाहर्ता भवति
 (c) समाहता भवन्ति (d) समाहता भवन्ति
31. अधोलिखितेषु 'आचार्य' शब्दस्य कतमं निर्वचनं नास्ति ?
 (a) आचारं ग्राहयति (b) आचिनोति अर्थान्
 (c) आचिनोति धर्मान् (d) आचिनोति बुद्धिम् इति वा
32. षड्भावविकारे नास्ति –
 (a) वर्धते (b) अस्ति (c) अपक्षीयते (d) नास्ति
33. यदक्षरपरिमाणं तत् किम् ?
 (a) व्याकरणम् (b) छन्दः (c) शिक्षा (d) निरुक्तम्
34. वेदार्थानां निर्णये कस्य भाष्यम् अद्यापि प्रमाणरूपेण स्वीक्रियते ?
 (a) मैक्समूलरस्य (b) कीथमहोदयस्य (c) सायणाचार्यस्य (d) ममटाचार्यस्य
35. वैदिकसंस्कृते सन्धिनियमः दृश्यते –
 (a) ऐच्छिकः (b) अनिवार्यः (c) कठिनः (d) आवश्यकः
36. अधोलिखितेषु 'धि' – संज्ञकोऽस्ति –
 (a) गौरी (b) वधू (c) सखि (d) हरि
37. 'विद्वाँल्लिखति' इत्यत्र सन्धिविधायकं सूत्रमस्ति –
 (a) मोऽनुस्वारः (b) तोर्लिः
 (c) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा (d) आदेः परस्य

38. 'सत् + चित् = सच्चित् – इत्यत्र सन्धिविधायकं सूत्रमस्ति –
 (a) छे च (b) खरि च (c) स्तोः श्चुना श्चुः (d) ष्टुना ष्टुः
39. 'विष्णुस्नाता' – अत्र सन्धिविधायकं सूत्रमस्ति –
 (a) खरवसानयोर्विसर्जनीयः (b) विसर्जनीयस्य सः
 (c) वा शरि (d) ससजुषो रुः
40. 'वेदोऽखिलो धर्ममूलम्' इति वाक्यं कुत्र ?
 (a) वेदे (b) ब्राह्मणसाहित्ये (c) याज्ञवल्क्यस्मृतौ (d) मनुस्मृतौ
41. कौटिल्यसम्मताः विद्या: –
 (a) चतस्रः (b) तिस्रः (c) द्वे (d) एका
42. याज्ञवल्क्यानुसारम् क्रणादानं कर्तिविधम् ?
 (a) पञ्चविधम् (b) षड्विधम् (c) सप्तविधम् (d) चतुर्विधम्
43. कृष्णयजुर्वेदस्य शाखा नास्ति –
 (a) तैत्तिरीय (b) मैत्रायणी (c) कठ (d) काण्व
44. ऐतरेय-आरण्यकं केन वेदेन सम्बद्धम् ?
 (a) क्रङ्गवेदेन (b) यजुर्वेदेन (c) सामवेदेन (d) अथर्ववेदेन
45. शुक्लयजुर्वेदस्य ब्राह्मणग्रन्थोऽस्ति –
 (a) गोपथब्राह्मणम् (b) जैमिनीयब्राह्मणम् (c) शतपथब्राह्मणम् (d) ऐतरेयब्राह्मणम्
46. अभिज्ञानशाकुन्तलस्य नायकोऽस्ति –
 (a) धीरप्रशान्तः (b) धीरोदात्तः (c) धीरोद्धतः (d) धीरललितः
47. विश्वनाथेन खण्डितम् आचार्यवामनस्य काव्यलक्षणं किम् ?
 (a) काव्यस्यात्मा ध्वनिः (b) वक्रोक्तिः काव्यजीवितम्
 (c) रीतिरात्मा काव्यस्य (d) तददोषौ शब्दार्थौ ...
48. सम्बोधने विभक्तिर्भवति –
 (a) अष्टमी (b) प्रथमा (c) तृतीया (d) सप्तमी
49. 'तिलेषु तैलम्' – इत्युदाहरणे 'तिलेषु' इत्यत्र आधारोऽस्ति –
 (a) अभिव्यापकः (b) औपश्लेषिकः
 (c) वैषयिकः (d) उपर्युक्तेषु न कोऽपि
50. सुषारथिः अश्वानिव मनुष्यान् किं नेनीयते ?
 (a) आत्मा (b) इन्द्रियाणि (c) मनः (d) शक्तिः

દ્વારા નિર્ધારિત કરેલું હશે